TREATMENT INJUSTICE (NGO)

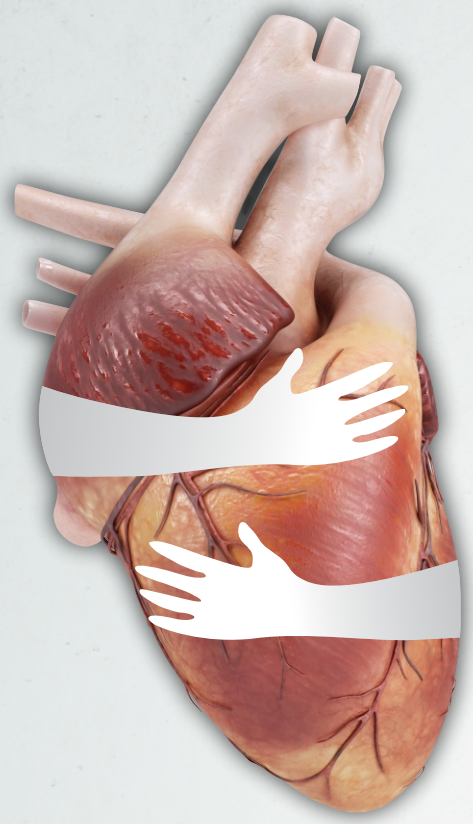

HEART DISEASE

हृदय रोग

हृदय रोग / ब्लॉकेज / हाई कोलेस्ट्रॉल

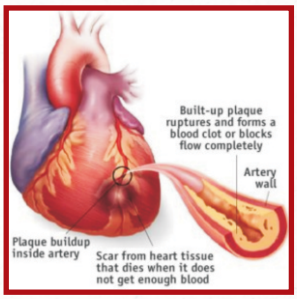

Heart हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है, जो पूरे शरीर में खून और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।"लेकिन जब हम अपनी Lifestyle पर ध्यान नहीं देते,जैसे unhealthy diet, lack of exercise, stress और smoking जैसी आदतें अपना लेते हैं, तो हमारे Heart पर बुरा असर पड़ता है। इससे heart-related diseases जैसे High blood pressure, Coronary artery disease, Heart failure, और Arrhythmia जैसी problems उत्पन्न हो सकती हैं।" "Allopathy में इन बीमारियों के लिए Medications दी जाती हैं जैसे कि Beta-blockers, blood thinners, और cholesterol-lowering drugs. हालांकि, इन दवाओं के side effects भी होते हैं, जिनके बारे में आप आगे पढ़ेंगे, इसके अलावा, जब बीमारी बढ़ जाती है तो surgery का सहारा लिया जाता है, जिसमें complications की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। हालांकि Ayurveda में heart health management के लिए शरीर के overall balance, digestion, lifestyle और stress management पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसमें व्यक्ति की प्रकृति और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार diet modification, daily routine सुधार, yoga, pranayama, meditation, Panchakarma therapies और herbal support को शामिल किया जाता है। Ayurveda का उद्देश्य शरीर की natural healing capacity को support करना, circulation और metabolism को बेहतर बनाए रखने में सहायता करना और long-term wellness को promote करना है। उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन में अपनाई गई Ayurvedic approach heart health, cholesterol management और blood pressure management में supportive role निभा सकती है।आयुर्वेद में natural और scientifically studied techniques का इस्तेमाल करके heart health को support करने और heart diseases को manage करने में मदद मिल सकती है। Ayurveda का focus केवल symptoms को manage करने पर नहीं है, बल्कि शरीर के imbalance, lifestyle factors, digestion, stress और daily routine जैसे root causes पर काम करने पर है। सही चिकित्सकीय मार्गदर्शन, balanced diet, regular yoga-pranayama, stress management और herbal support के माध्यम से heart health को बेहतर बनाए रखने में सहायता मिल सकती है।

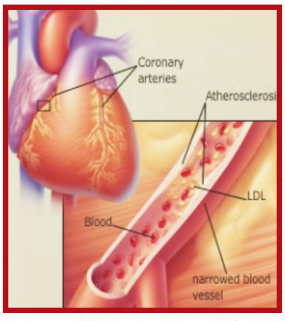

हृदय रोग / ब्लॉकेज / हाई कोलेस्ट्रॉल

दवा से कुछ समय तक सप्रेस करने के बाद मॉडर्न मेडिकल साइंस में डॉक्टर्स सर्जरी जैसे एंजियोप्लास्टी या बायपास सर्जरी की सलाह देते हैं। लेकिन ये सर्जरी खतरनाक भी हो सकती हैं, और इनका लंबे समय तक प्रभाव भी अनिश्चित होता है। सिर्फ अस्थायी राहत मिलती है, और भविष्य में फिर से ब्लॉकेज होने का खतरा बना रहता है। लेकिन एक प्राकृतिक समाधान है जो आपको सर्जरी के बिना हार्ट ब्लॉकेज से छुटकारा दिला सकता है – PH BALANCE DIET. यह डाइट इसलिए प्रभावी है क्योंकि यह शरीर में Nitric Oxide का

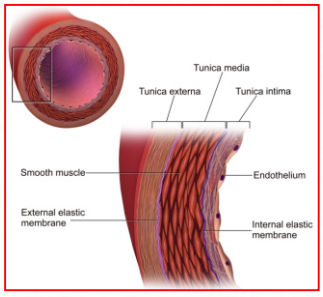

उत्पादन बढ़ाती है, जो कि ब्लड वेसल्स की आंतरिक दीवारों (endothelial layer) को स्वस्थ रखती है। इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और ब्लॉकेज धीरे-धीरे खुलने लगते हैं।एक प्रसिद्ध उदाहरण है Bill Clinton का, जिन्होंने अपनी हार्ट ब्लॉकेज को PH BALANCE DIET से ठीक किया। उन्होंने सर्जरी से दूर होकर इस प्राकृतिक तरीके को अपनाया और अपनी सेहत को वापस पाया। आप भी सर्जरी के जोखिम के बजाय, एक स्वस्थ और प्राकृतिक समाधान से अपने हार्ट को सुरक्षित रख सकते हैं!

देखिए कैसे

FORMER US PRESIDENT BILL CLINTON ने Plant-based diet / प्लांट-बेस्ड डाइट से अपनी हार्ट हेल्थ को ठीक किया

> "Dietary nitrates may be an effective nutritional strategy to regulate healthy diastolic blood pressure and provide cardioprotection.

Coronary Artery Disease यानी Heart Blockage एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय तक रक्त पहुँचाने वाली arteries यानी धमनियों के अंदर धीरे-धीरे fat, cholesterol, calcium और अन्य पदार्थ जमा होने लगते हैं। इस जमा हुए पदार्थ को plaque कहा जाता है। समय के साथ यह plaque धमनियों को संकरा कर सकता है, जिससे heart तक blood flow कम हो सकता है।जब heart को पर्याप्त oxygen-rich blood नहीं मिल पाता, तो व्यक्ति को सीने में दर्द या भारीपन, सांस फूलना, जल्दी थकान, चक्कर आना, घबराहट, पसीना आना या कमजोरी जैसे symptoms महसूस हो सकते हैं। कुछ लोगों में symptoms बहुत हल्के होते हैं या शुरुआत में बिल्कुल दिखाई नहीं देते, इसलिए इसे ignore करना risk बढ़ा सकता है।अगर blockage अधिक बढ़ जाए या plaque अचानक rupture हो जाए, तो blood clot बन सकता है, जिससे heart attack जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है। इसलिए समय पर जांच और doctor consultation बहुत जरूरी है।मुख्य Risk Factors में high blood pressure, diabetes, high cholesterol, smoking, obesity, stress, lack of physical activity, family history और असंतुलित खान-पान शामिल माने जाते हैं। इसकी जांच के लिए doctor ECG, Echo, TMT, CT coronary angiography, angiography और blood tests जैसे tests suggest कर सकते हैं।Heart blockage को समझना और lifestyle पर ध्यान देना heart wellness के लिए important है। Regular checkup, balanced diet, physical activity, stress management और prescribed medicines को doctor guidance में follow करना helpful हो सकता है।

कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली अंग्रेजी/एलोपैथिक दवाइयाँ और उनकी सच्चाई

*Statins
- Atorvastatin (Lipitor)
- Fluvastatin (Lescol)
- Pravastatin (Lipostat)
- Rosuvastatin (Crestor)
- Simvastatin (Zocor)

*PCSK9 inhibitors
- Alirocumab
- Evolocumab
- Inclisiran

*Fibric acid derivatives (also called fibrates)
*Bile acid sequestrants (also called bile acid resins)
*Selective cholesterol absorption inhibitors
*Adenosine triphosphate-citrate lyase (ACL) inhibitors

जानिए मॉडर्न पैथी द्वारा बताये गए इन दवाइयों के साइड इफेक्ट्स :

देखिये कितनी रिसर्च बताती है कि Statin दवाईयां किडनी के लिए हैं कितना बड़ा ख़तरा

स्टेटिन जैसी दवाइयों के उपयोग से बढ़ता है
"किडनी की बीमारियों (CKD) का ख़तरा"
- Acute kidney injury - Chronic kidney disease - Nephritis - Nephrosis - Renal sclerosis https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26742473/

स्टैटिन जैसी दवा के अधिक उपयोग से
"ACUTE KIDNEY INJURY का संभावित ख़तरा"
https://www.medsafe.govt.nz/safety/ews/2013/statins-acute-kidney-injury.asp

स्टैटिन जैसी दवाइयाँ बन रही हैं **"किडनी फेल" का कारण"**

Use of high potency statins is associated with an increased rate of diagnosis for acute kidney injury in hospital admissions. The effect seems to be strongest in the first 120 days after initiation of statin treatment. https://www.bmj.com/content/346/bmj.f880

स्टेटिन जैसी दवाओं का उपयोग और
"वृद्ध वयस्कों में किडनी इंजरी का खतरा"
Https://bmcnephrol.biomedcentral.com/articles/10.1186/s12882-019-1280-7

किडनी के
"GFR में गिरावट और PROTEINURIA" का कारण बन रही है स्टेटिन जैसी दवाइयाँ
https://www.nature.com/articles/s41598-019-53064-x

आयुर्वेद अपनाएं, सेहत बचाएं

कोलेस्ट्रॉल घटाने वाली अंग्रेज़ी/एलोपैथिक दवाईयां और उनकी सच्चाई

स्टैटिन दवाईयों से हो रही है "LIVER INJURY"

- Asymptomatic elevations of ALT - Cholestatic Hepatitis -Jaundice - Acute Liver Failure
- Chronic Liver Failure - Liver Fibrosis

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC3983981/

स्टैटिन दवाईयों के "LIVER पर होने वाले दुष्प्रभाव"

- Hepatitis - Transaminitis - Stomach Pain - Constipation - Diarrhoea
- Indigestion

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4766774/

स्टैटिन दवाईयों के "Liver व Kidney पर होने वाले विषैले प्रभाव"

- Myopathies - Type 2 Diabetes Mellitus - Neurological & Neurocognitive effects
- Hepatotoxicity - Renal Toxicity - Statin Intolerance

https://www.ahajournals.org/doi/full/10.1161/CIRCRESAHA.118.312782

STATINS के "मांसपेशियों पर होने वाले दुष्प्रभाव"

- Rhabdomyolysis - Cognitive Loss - Neuropathy - Sexual Dysfunction - Genetic mutations linked to mitochondrial dysfunction - Pancreatic and hepatic dysfunction

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC2849981/

इनके अतिरिक्त अन्य दुष्प्रभाव निम्नलिखित हैं :

- Dizziness (चक्कर आना)
- Muscle Pain (मांसपेशियों में दर्द)
- Memory Problems (स्मृति समस्याएं)
- Hair Loss (बालों का झड़ना)
- Sleep Problems (नींद की समस्याएं)
- Low Blood Platelet Count (प्लेटलेट में कमी)
- Feeling Unusually Tired Or Physically Weak (असामान्य रूप से थकान या कमज़ोर महसूस करना)
- Skin Problems, Such As Acne Or An Itchy Red Rash (त्वचा संबंधी समस्याएं, जैसे मुंहासे या खुजलीदार लाल दाने)
- Sexual Problems, Such As Loss Of Libido (Reduced Sex Drive) Or Erectile Dysfunction (यौन समस्याएं, जैसे कामेच्छा में कमी (सेक्स ड्राइव में कमी) या स्तंभन दोष)
- Loss Of Sensation Or Tingling In The Nerve Endings Of The Hands And Feet (peripheral Neuropathy) (हाथों और पैरों के तंत्रिकाओं के अंत में संवेदना की कमी या झुनझुनी (परिधीय न्यूरोपैथी))
- Tendon Problems (Tendons Are Tough Cords Of Tissue That Connect Muscles To Bones) कण्डरा की समस्याएं (कण्डरा ऊतक की कठोर डोरियां होती हैं जो मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़ती हैं)

आयुर्वेद द्वारा बिना साइड इफेक्ट्स के कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रण में रखा जा सकता है

Heart Diseases में एलोपैथी उपचार की सच्चाई

Complications of CABG

▸ Irregular Heartbeat ▸ Infection
▸ Reduced kidney function ▸ Brain-related problems

https://www.nhs.uk/conditions/coronary-artery-bypass-graft-cabg/risks/

Postoperative complications of CABG surgery can result in significant morbidity and mortality.

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/30217621/

Coronary Artery Bypass Complications included :

▸ Stroke ▸ Deep vein thrombosis ▸ MI ▸ Repeat surgery ▸ Bleeding

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4492179/

Risks

Coronary artery bypass surgery is open-heart surgery. All surgeries have some risks. Possible complications of coronary artery bypass surgery include:

▸ Bleeding. ▸ Death. ▸ Heart attack due to a blood clot after surgery. ▸ Infection at the site of the chest wound. ▸ Long-term need for a breathing machine. ▸ Irregular heart rhythms, called arrhythmias. ▸ Kidney problems. ▸ Memory loss or trouble thinking clearly, which often is temporary. ▸ Stroke.

Infectious

Pneumonia
Urinary Tract Infection
Mediastinal Infection
Superficial would Infection
Deep Space wound Infection
Orfan-Space wound Infection
Systemic sepsis or septic Shock
Empyema

Hematologic

Mediastinal Bleeding
Coagulopathy
Anemia
Platelet Dysfunction
Hemolysis

Gastrointestinal

Nausea and Vomiting
Ileus (Paralytic or Function)
Hepatic Dysfunction
Pancreatitis
Colitis (Infectious or Ischemic)

Respiratory

Pleural Effusion
Phrenic Nerve Dysfunction
Respiratory Failure/ARDS
Prolanged Mechanical Ventilation
Post-op pain and splitinting
Atekectasis

Cardiovascular

Deep Venous Thrombosis
Pulmonary Embolism
Myocardial Infarction
Hypotension
Arrhythmia
Cardiogenic Pulmonary Edema
Graft Failure
Cardiogenic Shock
Chest Pain
Distal Ischemia
Cardiac Tamponade
Pulmonary Hypertenstion
Hemothorax
Wound Deshiscence
Right Ventricular Failure

Renal

Acute Renal Failure
Kidney Injury
Electrolyte Disturbances

Neurologic

Stroke
Neurocognitive Impairment
Watershed Infarcts

आयुर्वेद में संभव है हृदय रोग का उपचार

आयुर्वेद में संभव है CAD का उपचार

https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/26393992/

पंचकर्म चिकित्सा के बाद EF में उल्लेखनीय सुधार

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC6314236/

लेखन बस्ती व विरेचन कर्म है मेदरोग (Dyslipidemia) में लाभकारी

https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC5541465/#:~:text=Dyslipidemia%20is%20the%20abnormal%20amount%20of%20lipids%20in%20the%20blood%20due%20to%20impaired%20lipid%20metabolism%20and%20can%20be%20correlated%20with%20abnormal%20Medo%20Dhatu%20(Medo%20Dosha).%20Primarily%20there%20is%20Agni%20Vaishamya%20and%20Vata%20Dushti%2C%20hence%20Virechana%20is%20best%20to%20correct%20Agni%20and%20Basti%20to%20correct%20Vata%20Dosha

CHF के मरीज़ों के लिए आयुर्वेद है रामबाण

https://www.sciencedirect.com/science/article/pii/S0975947617300244

हृदय वस्ति

हृदय के सभी रोगों के समाधान के लिए

सीने में दर्द, हार्ट की पम्पिंग (इजेक्शन-फ्रैक्शन) में कमी, आर्टरीज, नाड़ियों में ब्लॉकेज, हार्ट का कमज़ोर होना, चलते समय साँस फूलना या हांफना, हार्ट अटैक आदि में हृदय वस्ति अति सहायक है।

रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 2002 में जारी चिकित्सा उपयोग के लिए जोंक चिकित्सा का कोरोनरी हृदय रोग, हृदय विफलता के प्रारंभिक चरण, कार्डियोस्क्लेरोसिस, कार्डियोमेगेली, डिसर्कुलेटरी एन्सेफैलोपैथी और उच्च रक्तचाप में उपयोग किया जा सकता है।

https://www.researchgate.net/publication/309413757_Leech_therapy_in_treatment_of_cardiovascular_diseases

Ayurveda

पंचकर्म

के महत्व को समझें..!

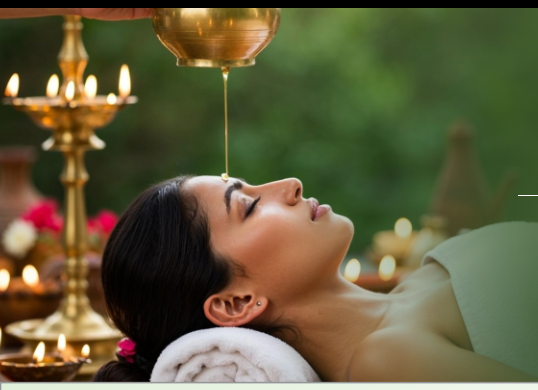

पंचकर्म आपके शरीर का नया जन्म है

Dr. Naresh Trehan
Renowned cardiac surgeon and
Founder of Medanta, Gurugram

पंचकर्म बॉडी डिटॉक्स का साधन है

Dr. SK Sarin
Renowned liver Expert
Director of the Institute of Liver and Biliary Sciences

पंचकर्म प्रत्येक व्यक्ति को करवाना चाहिए,
मनुष्य के स्वास्थ्य को बनाए रखने का यह एक प्रमुख स्त्रोत है।

Prof. ISH SHARMA
MD, Ph.D Ayurveda
Ayurveda Ambassador (Mauritius)

https://www.instagram.com/reel/DUSRSkvCNMG/?igsh=ZzJmdWUxb2FheXdl

हम अपने घर की रोज़ साफ-सफाई (Dusting) करते हैं, फिर भी दिवाली पर सफाई करने पर घर के हर कोने से सामान और गंदगी निकलती है। उसी तरह भले ही हम अपने शरीर को शुद्ध रखने की कोशिश करते हैं, फिर भी इसकी पंचकर्म शुद्धि अत्यंत आवश्यक है।

जिस प्रकार हम समय-समय पर अपने स्कूटर, बाइक और कार की सर्विस करवाते हैं, उसे ठीक रखने के लिए। उसी प्रकार...

अपने शरीर की शुद्धि (Servicing) क्यों नहीं करवाते..?

क्या आप भी लाखों लोगों की तरह

केमिकल वाली ड्रग्स

के साइड इफेक्ट्स से छुटकारा पाना चाहते हैं..?

तो आज ही अपनी पंचकर्म शुद्धि JOURNEY शुरू करें।